



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 245]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 16, 1981/आषाढ़ 25, 1903

No. 245]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 16, 1981/ASADHA 25, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1981

जीभसूचना

सा. का. नि. 428(अ).—केंद्रीय सरकार, नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 42) की धारा 33 की उपधारा (2) के खण्ड (ग) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

2. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) निधि-प्रशासन नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. परिभाषाएँ—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 42) अभिप्रेत है ;

(ख) “भविष्य निधि” से मसम नेशनल कम्पनी लिमिटेड द्वारा अपने स्वामित्वाधीन उपक्रमों में से किसी में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए स्थापित भविष्य निधि अभिप्रेत है ;

(ग) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में या कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके उन अधिनियमों में हैं।

4. भविष्य निधि का प्रशासन :—ऐसे कर्मचारियों से जिनकी सेवाएं अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन यथा स्थिति केंद्रीय सरकार को या विद्यमान सरकारी कम्पनी या नई सकारी कम्पनी को अन्तर्गत हो गई हैं, सम्बन्धित भविष्य निधि में जमा धन के बारे में नियत दिन से ही और ऐसे समय तक जब तक उनके प्रशासन या व्ययन या दोनों के लिए आनु-कल्पिक पद्धतियां नहीं बना दी जाती हैं, केंद्रीय सरकार द्वारा यथास्थिति या विद्यमान सरकारी कम्पनी द्वारा या नई सरकारी कम्पनी द्वारा नियत दिन के ठीक पूर्व भविष्य निधि और उसके प्रशासन को लागू नियमों, विनियमों और उप-विधियों के या उसको शासित करने वाली किसी विधि के, उप-बन्धों के अनुसार ऐसे उपान्तरणों सहित जो उक्त नियमों,

विनियमों और उपविधियों में समुचित प्राधिकारी द्वारा किए जाए कार्यवाही की जाएगी ।

[फा. सं. 29 (7)/80-जूट]
ए. के. मुखर्जी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

New Delhi, the 16th July, 1981

NOTIFICATION

G.S.R. 438(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (c) of sub-section (2), of section 33 of the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (42 of 1980), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

2. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Administration of Funds Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means The National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (42 of 1980);

(b) "Provident Fund" means the Provident Fund established by Messrs. National Company Limited for the benefit of persons employed in any of the undertakings owned by it;

(c) words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act or in the Companies Act 1956 (1 of 1956) shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Acts.

4. Administration of Provident Fund.—The monies standing to the credit of the Provident Fund relating to the employees whose services stand transferred by or under the Act to the Central Government or the existing Government company or the new Government company, as the case may be, shall, on and from the appointed day and till such time as alternative modes of their administration or disposition or both are formulated, be dealt with by the Central Government or the existing Government company or the new Government company, as the case may be, in accordance with the provisions of the rules, regulations and bye-laws applicable to, or of any law governing the Provident Fund and its administration immediately before the appointed day, with such modifications as may be carried out in the said rules, regulations and bye-laws by the appropriate authority.

[F. No. 29(7)/80-Jute]

A. K. MUKHERJEE, Jt. Secy.